রাস্তা থাকবে যেখানে, সাইকেল চলবে সেখানে!

বন্ধু,

আপনারা জানেন, ১৯৬৫ সালের ট্রাফিক রেগুলেশন অ্যাক্ট–এ প্রদত্ত ক্ষমতাবলে ১১ অগাষ্ট ২০০৮ থেকে পুলিশ কমিশনার (প্রাক্তন) গৌতম মোহন চক্রবর্ত্তী কলকাতায় ৩৮টি রাস্তায় সকাল ৯টা থেকে সন্ধ্যা ৭টা পর্যন্ত সাইকেল চালানো নিষেধ, এমনকি দাঁড় করিয়ে রাখাও নিষিদ্ধ করেছিলেন। সেই আদেশকে বহরে গতরে বাড়িয়ে বর্তমান পুলিশ কমিশনার সুরজিৎ পুরকায়স্ত ৩১ মে একটি আদেশ দিয়েছেন। সেই নির্দেশে কলকাতায় ১৭৪টি রাস্তায় সাইকেল নিষিদ্ধ হয়েছে। তার মধ্যে ৪০টি রাস্তায় ২৪ ঘন্টার জন্য, ১২০টির মতো রাস্তায় সকাল ৭টা থেকে রাত ১১টা পর্যন্ত। শুধু ক্রসিং পেরোনো যাবে সাইকেল নিয়ে। এবং ক্রসিং–এই ওঁৎ পেতে সাইকেল ধরে হেনস্থা ও 'ফাইন' করছে পুলিশ। অর্থাৎ কলকাতার রাস্তাগুলি থেকে সাইকেল উচ্ছেদ যজ্ঞ সম্পূর্ণ করা হয়েছে।

গত ২৬ নভেম্বর আমরা লালবাজারে কলকাতা পুলিশের বড়ো কর্তার সঙ্গে মিটিং–এ বলি, এই আদেশ তুলে নেওয়া হোক। কিন্তু তিনি তাতে কর্ণপাত করেননি। বরং হুমকি দিয়ে বলেছেন, সাইকেলের জন্যই রাস্তায় দুর্ঘটনা হয়, পুলিশ রাস্তায় যে সিসিটিভি বসিয়েছে, তা থেকে ভিডিও তুলে ইন্টারনেটে ছেড়ে দিয়ে তা দেখাবে। অর্থাৎ পুলিশ পুলিশি কায়দায় হুমকি দিয়েছে, কলকাতার লক্ষ লক্ষ সাইকেল আরোহী সাধারণ মানুষের আরও হেনস্থা করা হবে।

বন্ধুগণ, পৃথিবীতে আর বোধহয় কোনও শহর নেই, যেখানে দূষণমুক্ত পরিবেশবান্ধব যান সাইকেল নিষিদ্ধ। এটা এই শহরের, এই রাজ্যের, এই দেশের লজ্জা!

আপনারা জানেন, সম্প্রতি বিশ্ব স্বাস্থ্য সংস্থার রিপোর্টে দেখা গেছে, বায়ু দূষণের জন্য কলকাতায় ফুসফুসের অসুখ তথা ফুসফুসের ক্যানসারের সংখ্যা ভয়ংকর বেড়ে গেছে। এবং তার জন্য দায়ী মোটরগাড়ি। গত কয়েকবছরে কলকাতার রাস্তা ছেয়ে গেছে টাটাসুমো, বোলেরো, মারুতি প্রভৃতি গাড়িতে। গণপরিবহণের বাস কমছে, বাড়ছে এইসব গাড়ি। এগুলিকে নিয়ন্ত্রণ না করে সরকার আজ সাইকেল, ঠেলা, রিক্সা — এসব পরিবেশবন্ধু যান নিষেধে উদ্যত! ধিক্কার এই উদ্যোগকে!

আমরা সরকারকে জানাতে চাই, এই জনবিরোধী আদেশ অবিলম্বে প্রত্যাহার করুন।

১৭ ডিসেম্বর মঙ্গলবার ভবানীপুরের সাইকেলজীবীদের ইউনিয়ন 'কলকাতা সাইকেল আরোহী অধিকার ও জীবিকা রক্ষা কমিটি' হাজরায় একটি জমায়েত ও মিছিলের ডাক দিয়েছে দুপুর ১ টায়। ওই জমায়েত থেকে ডেপুটেশন যাবে পরিবহণমন্ত্রীর কাছে। আমরা 'কলকাতা সাইকেল সমাজ' এই জমায়েত ও মিছিলে অংশগ্রহণ করার জন্য সর্বস্তরের সাইকেল চালক ও সাইকেলপ্রেমী মানুষকে আহ্বান জানাচ্ছি।

ধন্যবাদান্তে,

কলকাতা সাইকেল সমাজ

ব্লক এস ৮, মানিকতলা হাউসিং এস্টেট, কলকাতা ৭০০০৮৪

এই সমাজের সভ্য হতে উৎসাহী ব্যক্তিরা নিম্নলিখিত ফোন নম্বরে ও ওপরের ঠিকানায় যোগাযোগ করতে পারেন :
রঘু জানা (9477355084), অলোক দত্ত (9831695661), শ্রীমান চক্রবর্তী (8013473747), শমীক সরকার (033-24147730)

जहां सड़क, वहाँ साइकिल चलेगा !

आपकौ पता है, 'यातायात विनियमन अधिनियम 1965' के अनुसार – 11 अगस्त 2008 पुलिस आयुक्त (पूर्व) गौतम मोहन चक्रवर्ती कलकत्ता की38 सड़कों में सुबह 9 से शाम 7 तक साइकिल पर प्रतिबंध लगा दिया था. 31 मई 2013 को मौजूदा पुलिस कमिश्नर नए निर्देश के साथ 174 सड़क साइकिल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. उस सड़कों में से 40 में 24 घंटे के लिए, 120 में सुबह 7 से रात 11 तक साइकिल निषिद्ध है. बस सड़क पार कर सकते हैं. क्रॉसिंग पर पुलिस साइकिल पकड़ रहा हैं.

6 नवंबर को कोलकाता पुलिस के साथ बैठक में हम चाहते थे, इस आदेश तुरंत वापस लेना . लेकिन उन्होंने यह बात नहीं सुनी . उन्होंने कहा, सड़क दुर्घटनाओं के लिए साइकिल जिम्मेदार हैं. आपकौ पता है, यह पूरी तरह झूठ है. यह लाखों साइकिल सवार पर हामलाके बराबर है.

दुनिया में कोई शहर शायद नहीं है जहां प्रदूषण मुक्त वातावरण के दोस्त साइकिल निषिद्ध है!!

यह इस शहर, इस राज्य, इस देश के लिए शर्म की बात!

हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में पाया गया –– वायु प्रदूषण के लिए कोलकाता में फेफड़ों के रोग, फेफड़ों के कैंसर की संख्या भयानक बढ़ गया है. मोटर वाहन इस के लिए जिम्मेदार है. पिछले कुछ साल में, कोलकाता की सड़कों मारुति, टाटा सूमो, बोलेरो आदि पराइभेट कार से भर दिया गया है. सार्वजनिक परिवहन में गिरावट, पराइभेट कार में वृद्धि. इस को नियंत्रण नहीं है, सरकार ने आज साइकिल, रिक्शा आदि पर्यावरण मित्र को मना करने का प्रयास मे है. हम सरकार को बताना चाहता हूँ, इस जनता के खिलाफ आदेश तुरंत वापस ले लें.

17 दिसंबर, मंगलवार दोपहर 1 बाजे भबानिपुर साइकिल संघ 'कलकत्ता साइकिल सवार अधिकारों और जीविका रक्षा समिति' हाजरा मे एक सभा और मार्च बुलाया. सभा से परिवहन मंत्री के पास एक डेपुटेशन भेजा जायेगा. हम कोलकाता साइकिल समाज इस सभा और जुलूस में भाग लेने के लिए सभी साइकिल चालकों और साइकिल प्रेमी को बुला रहा हूँ.

कोलकाता साइकिल समाज

ब्लोक एस ८, मानिकतला हाऊसिंग एस्टेट, कोलकाता ८४

जो लोग इस समाज से जुरना चाहते ह्याय, इस ब्यक्तियो से संपर्क करे. रघु जाना (9477355084), अलोक दत्ता (9831695661), श्रीमान चक्रबर्ती (8013473747), शमिक सरकार (033-24147730)